राष्ट्रिय–संस्कृत–संस्थानम्

(मानित विश्वविद्यालय) लखनऊ परिसर

विशाल खण्ड–4, गोमती नगर, लखनऊ–226010

फोनः 0522–2393748

निविदा आमन्त्रण

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) लखनऊ परिसर की 7 पुस्तकें एवं 5 पत्रिकाएं प्रकाशित होनी हैं। जिसका विवरण संबद्ध संस्था से प्राप्त किया जा सकता है। तथा परिसर वेबसाइट www.rsklucknowcampus.org में देखा जा सकता है। इच्छुक मुद्रक 20.3.2018 तक निविदा दे सकते हैं। अनुभवी मुद्रकों को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके लिए पेपर एवं मुद्रित पुस्तक/पत्रिका का नमूना तथा धरोहर राशि रु. 10,000 (दस हजार मात्र) का राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा जारी ड्राफ्ट जमा करना होगा।

प्राचार्य

प्रकाशनों का विवरण–

(क) पालि अध्ययन केन्द्र की पुस्तकें–

(1) अपदान पालि	– 536 पेज	प्रत्येक की 500 प्रतियाँ, साइज 10''X7½, अन्दर का पेपर 80 जी.एस.एम. मेपलिथो जे.के.। 180 जी.एस.एम., फोर कलर, हार्डवाइडिंग, जाकेट सहित (परफेक्ट), आफसेट प्रिंटिंग।
(2) थूपवंस पालि	– 318 पेज	
(3) संयुक्तनिकाय–निदानवग्ग	– 678 पेज	
(4) संयुक्तनिकाय–महावग्ग	– 752 पेज	
(5) बुद्धवंस	– 254 पेज	
(6) प्राकृत डिक्शनरी	– 416 पेज	

(7) पालि–संल्लापो	– 68 पेज–	1,000 प्रतियां, साइज 9.5X6.5,अन्दर का पेपर 80 जी.एस.एम. मेपलिथो जे.के.।पेपर वाइण्ड, कवर पेज 180 जी.एस.एम. फोर कलर, साफ्ट बाइडिंग (परफेक्ट) आफसेट प्रिंटिंग।

(ख) अन्य प्रकाशन (पत्रिकाएँ)–

(8) पालि–प्राकृत–अनुशीनलम्–	200 पेज –	प्रत्येक की 500 प्रतियाँ, साइज 10''X7½, अन्दर का पेपर 70 जी.एस.एम. मेपलिथो जे.के.। कवर पेज 180 जी.एस.एम., फोर कलर, साफ्ट बाइडिंग (परफेक्ट) आफसेट प्रिंटिंग।
(9) साहित्य–समाख्या	– 200 पेज –	
(10) गोमती	– 200 पेज –	
(11) श्रुतिनिश्श्वसिता	– 112 पेज –	
(12) शिक्षावल्लरी	– 112 पेज –	

विशेष–

1. मुद्रक को अपने प्रकाशन का नमूना प्रकाशित पुस्तक तथा पेपर का सेम्पल देना आवश्यक है।
2. मुद्रक को अमानत राशि के रूप में रू. 10,000 (दस हजार) मात्र का एक बैंक ड्राफ्ट ''प्रिंसिपल, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, लखनऊ'' के नाम से जमा करना होगा।
3. पत्रिका आर्डर के दस दिन में छाप कर देनी होगी।
4. सम्पूर्ण टेक्स रेट में सम्मिलित होगा, अतिरिक्त देय नहीं होगा।
5. प्रकाशित सामग्री अपनी जिम्मेदारी पर संस्थान परिसर में पहुँचानी होगी। इसका अतिरिक्त खर्च देय नहीं होगा।
6. प्रत्येक पुस्तक का रेट अलग–अलग दिया जाय। समिति चाहेगी तो न्यूनतम रेट के आधार पर अलग–अलग मुद्रकों को आर्डर दे सकती है। बिल भी पृथक्–पृथक् देय होंगे।
7. सभी मैटर कम्पोज्ड एवं टाइप्ड दिया जाएगा, अतः टाइपिंग/कम्पोजिंग दर निविदा में सम्मलित न करें।
8. समस्त पुस्तकों तथा पत्रिकाओं में आठ पृष्ठ कम व अधिक होने की स्थिति में, जो रेट होगा उसका भी उल्लेख किया जाये।
9. आठ पृ. का रेट कम या अधिक होने पर रेट लिखा जाए।

प्राचार्य